पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

- यूनेस्को ने इंदौर और उदयपुर को 'वेटलैंड सिटी' के रूप में मान्यता दी।
- केरल के कप्पड़ बीच (कोझीकोड) और चाल बीच (कन्नूर) समुद्र तटों को ब्लू फ्लैग प्रमाणन दिया गया है। (कुल ब्लू फ्लैग प्रमाणन तट-14)
- सरकार ने 2030 तक 10,000 जीआई टैग का लक्ष्य रखा है।
- छत्तीसगढ़ वन पारिस्थितिकी तंत्र को हरित सकल घरेलू उत्पाद से जोड़ने वाला पहला राज्य बन गया है।
- रातापानी टाइगर रिजर्व मध्य प्रदेश का 8वां एवं भारत का 57वां टाइगर रिजर्व बना।
- जलवायु तथा स्वास्थ्य अफ्रीका सम्मेलन (CHAC2024) का आयोजन जिम्बॉब्वे की राजधानी हरारे में किया गया।
- चर्चा में रहा 'प्राणहिता वन्यजीव अभ्यारण्य' तेलंगाना में स्थित है।
- खबरों में रहा 'सिंहाचलम मंदिर' आंध्र प्रदेश में स्थित है।
- कुनो के बाद गांधी सागर अभ्यारणय में चीतों को लाने की तैयारी है।
- गुरू घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व को देश का 56वां एवं छत्तीसगढ़ का चौथा टाइगर रिजर्व बन गया है।
- भारत की दूसरी सबसे बड़ी तितली प्रजाति 'दक्षिणी बर्डविंग' मदुरै में खोजी गई है।
- भारत ने राजस्थान के भरतपुर जिले में स्थित केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान में 'टील कार्बन' पर भारत का पहला अध्ययन किया गया।
- भारत का पहला निजी बायोस्फीयर उत्तराखंड के राजाजी टाइगर रिजर्व में बनाया गया है, जिसे राजाजी राघाटी बायोस्फीयर नाम दिया गया है।
- विशालगढ़ किले में नई पादप प्रजाति सेरोपेगिया शिवरायना की खोज हुई।
- सींग वाले मेंढ़क की नई प्रजाति अरुणाचल प्रदेश में खोजी गयी है।
- विश्व की सबसे पुरानी ज्ञात गुफा पेंटिंग इंडोनेशिया में खोजी गयी है।
- ओडिसा तट के पास शोधकर्ताओं ने स्नेक ईल की एक नई प्रजाति ओफिचथस सूर्याई की खोज की है।
- वेनेजुएला अपने सभी ग्लेशियर को खोने वाला पहला देश बना।
- उत्तराखंड पर्यटन ने भारत का पहला खगोल पर्यटन अभियान 'नक्षत्र' सभा' लांच किया।
- अर्जेंटीना के वैज्ञानिकों ने 90 मिलियन वर्ष पुराने शाकाहारी डायनासोर को खोजा है।
- मेक्सिको के चेतुमल खाड़ी में दुनिया का सबसे गहरा 'ताम जा' ब्लू होल मिला है, जिसकी गहराई 1380 फीट है।
- केरल के अगस्त्यमाला बायोस्फीयर रिजर्व में नई लुप्तप्राय बाल्सम प्रजाति की खोज की गई।
- कोल्लम के पास खोजी गई आइसोपॉड की एक प्रजाति का नाम इसरो के नाम पर रखा गया है।
- बेंगलुरू के प्रोफेसर जयंत मूर्ति के नाम पर एक क्षुद्र ग्रह का नाम रखा गया।
- ओडिशा का गुप्तेश्वर वन जैव विविधता विरासत स्थल घोषित।
- चर्चित 'गुजराई सौर ऊर्जा स्टेशन' उत्तर प्रदेश में स्थित है।
- उत्तर प्रदेश सरयू में अपना पहला 'कछुआ संरक्षण रिजर्व' स्थापित करेगा।
- मेघालय का बर्नीहाट 2023 में भारत का सबसे प्रदूषित शहर रहा।
- इंदौर को सातवीं बार देश के सबसे साफ शहर का खिताब मिला।
- सिंगापुर का चांगी हवाई अड्डा विश्व का सर्वश्रेष्ठ हवाई अड्डा बना।
- भारत ने श्रीलंका के पर्यटन स्रोत के रूप में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है।
- भारत के सबसे बुजुर्ग स्लॉथ भालू 'बबलू' का भोपाल में निधन हो गया।
- IUCN रेड लिस्ट के अनुसार मीठे जल की 25% मछलियां लुप्त होने को है।
- अफगानिस्तान को पछाड़कर म्यांमार अफीम का सबसे बड़ा उत्पादक बना।
- उत्तराखंड राज्य में रेज पॉवर इंफ्रा द्वारा 500 मेगावाट का सोलर पार्क बनाया जाएगा।
- चीन ने दुनिया का पहला फोर्थ जेनेरेशन न्यूक्लियर रिएक्टर पावर प्लांट शुरू किया।
- वैज्ञानिकों ने अमेजन वर्षावन में दुनिया की सबसे बड़ी साँप यूनेक्टस अकामिया की खोज की है।
- गुजरात ने घोल मछली को राज्य मछली घोषित किया है।
- अरूणाचल प्रदेश में 'म्यूजिक फ्रॉग' की नई प्रजाति मिली है।
- समुद्र के अंदर ज्वालामुखी विस्फोट के बाद जापान को एक नया द्वीप मिला।
- पंजाब के नवांपिंड सरदारां गांव को भारत के सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव का 2023 पुरस्कर मिला है।
- उदयपुर भारत का पहला वेटलैंड शहर बनेगा।
- तमिलनाडु का तटमंदिर भारत का 'पहला हरित ऊर्जा पुरातत्व स्थल' बना।
- 18 अक्टूबर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पटना में चौथा 'बिहार कृषि रोडमैप (2023-28)' लॉन्च किया। बिहार सरकार ने इस कृषि रोडमैप के लिए 1 लाख 64 हजार करोड़ रूपये का बजट बनाया है।
- वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व मध्य प्रदेश का सातवां और भारत का 54वां टाइगर रिजर्व बन गया है।
- 29 जुलाई 2023 को बाघ दिवस पर जारी रिपोर्ट के अनुसार बाघों की आबादी 6.1% वार्षिक वृद्धि के अनुसार 3925 हो गई है।
- बेंगलुरू 'वर्ल्ड सिटीज कल्चर फोरम (WCCF)' में शामिल होने वाला पहला भारतीय शहर बन गया है।
- भारत का पहला 'मत्स्य पालन अटल इन्क्यूबेशन सेंटर' केरल में स्थापित किया जायेगा।
- भारत का पहला वैदिक थीम वाला पार्क 'वेद वन पार्क' की शुरूआत उत्तर प्रदेश के नोयडा (सेक्टर-78) में किया गया।
- कमल की नई किस्म 'नमोह 108' का अनावरण किया गया।
- असम ने मानव हाथी संघर्ष की बढ़ती समस्या के समाधान के लिए 'गजह कोथा' अभियान शुरू किया है।
- हाल ही में तेलंगाना में हैदराबाद के रंगारेड्डी जिले के एनिकेपल्ली गाँव में जैन तीर्थंकर की मूर्तियों तथा शिलालेख वाले दो वर्गाकार स्तंभ मिले है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"